

बैंगलोर में नेक द्वारा योग विभाग सम्मानित

सागर: 08.03.2019— योग शिक्षा विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि., सागर द्वारा बैंगलोर में नेक द्वारा योग विभाग सम्मानित किये जाने पर विभाग में सम्मान समारोह हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो० आनन्द प्रकाश त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य, प्रो० सी० गिरि के मुख्य वक्ता एवं योगविभागाध्यक्ष प्रो० जी०एस०गिरि की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती एवं गौर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ।

योग द्वारा संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास संभव – प्रो० गिरि

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो० सी० गिरि ने अपने वक्तव्य में आधुनिक जीवन शैली के दुष्प्रभाव को बताते हुए योगिक जीवन शैली को संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक बताया। व्यक्तित्व के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक व सामाजिक चारों आयामों को बताते हुए योग की प्रक्रियों जैसे यम-नियम आसन, प्राणायाम ध्यान आदि वर्णन किया। आधुनिक व्यस्त जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को आरोग्यता के प्रति जागरूक रहने एवं इसके लिये जीवन पर्यन्त अनुशासित (यौगिक) जीवनचर्या को अपनाने की आवश्यकता एवं महत्व पर बल दिया।

स्वस्थ जीवन शैली ही आरोग्यता का आधार – प्रो० त्रिपाठी

प्रो० आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि व्यक्ति संतुलित चिंतन व चरित्र को अपनाकर एक स्वस्थ व सभ्य समाज का निर्माण कर सकता है। क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। उन्होंने जीवन से संबंधित रोगों की चर्चा करते हुए योग की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी तथा स्वस्थ जीवन शैली को आरोग्यता का आधार बताया। योग द्वारा मन को नियंत्रित करते हुए अपने लक्ष्य को सहज प्राप्त कर सकते हैं। प्राचीन काल के अपेक्षा योग की आवश्यकता आधुनिक समय में ज्यादा है क्योंकि आज हमारी जीवन शैली विकृत हो गयी है।

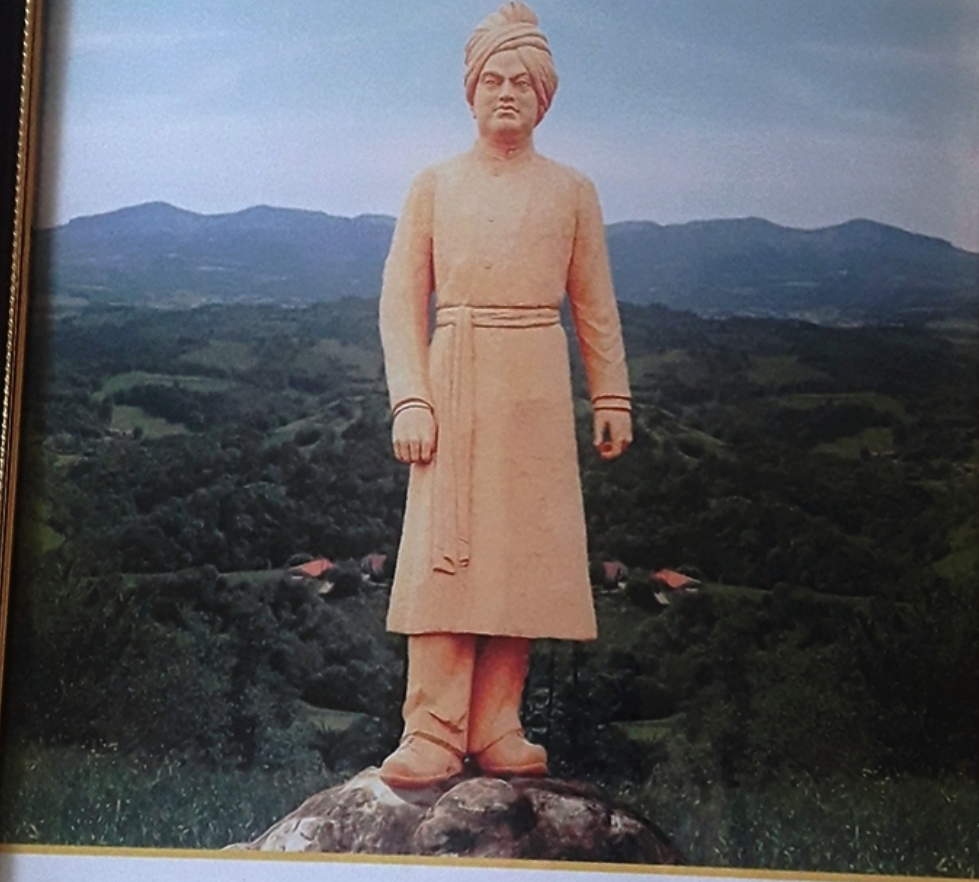
योगविभागाध्यक्ष प्रो० गणेश शंकर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि योग द्वारा अनेक प्रकार के मनोकायिक रोगों से बचाव कर सकते हैं क्योंकि योग मन को नियंत्रित करना सिखाता है जिसके परिणाम स्वरूप अनेक मानसिक एवं शारीरिक रोग सभी शनैः शनैः समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बैंगलोर में नेक द्वारा देश के मुख्य पांच संस्थानों में सागर के योग विभाग को सम्मानित किये जाने पर बधाई देते हुए भविष्य में योग विषय में भी एकीडिटेशन संबंधी जानकारी देते हुए सभी से विभाग को और उन्नत एवं विकास करने का सहयोग मांगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं विभाग के कई सदस्यों ने महत्व योगदान पर एवं नेक द्वारा उसे प्रमाणित करने पर बधाई दी है। इस समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे जिसमें पूजा जैन दुष्यन्त, अंकित, डालचन्द, निधि सेन, रामेश्वरी, सुरेन्द्र खरे, प्रज्ञा, योगेश, सच्चिदानन्द, अंजलि, अरुण साव, रिचा, रुकमणि आदि प्रमुख हैं।





National Assessment and Accreditation Council (NAAC)
National Conference on Yoga Accreditation
for Higher Education Programmes
6th March 2019 | S-VYASA Campus, Bengaluru



Presented to
Dr. Harisingh Gour Central University, Sagar
for their immense Contribution to Yoga Education

योगविभागाध्यक्ष